

दबोरा इस्राइलिउं रि औगुवाइ कौरै



Bangani

दबोरा इस्राइलिउं रि औगुवाइ कौरै

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india





<http://creativecommons.org/licenses/by-nc-sa/4.0/>

You may not use this work for commercial purposes. You may adapt and add to this work, but you may distribute the resulting work only under the same or similar license to this one. You must keep the copyright and credits for authors, illustrators, etc.

Big Book in Bangani language
Orange Level Book

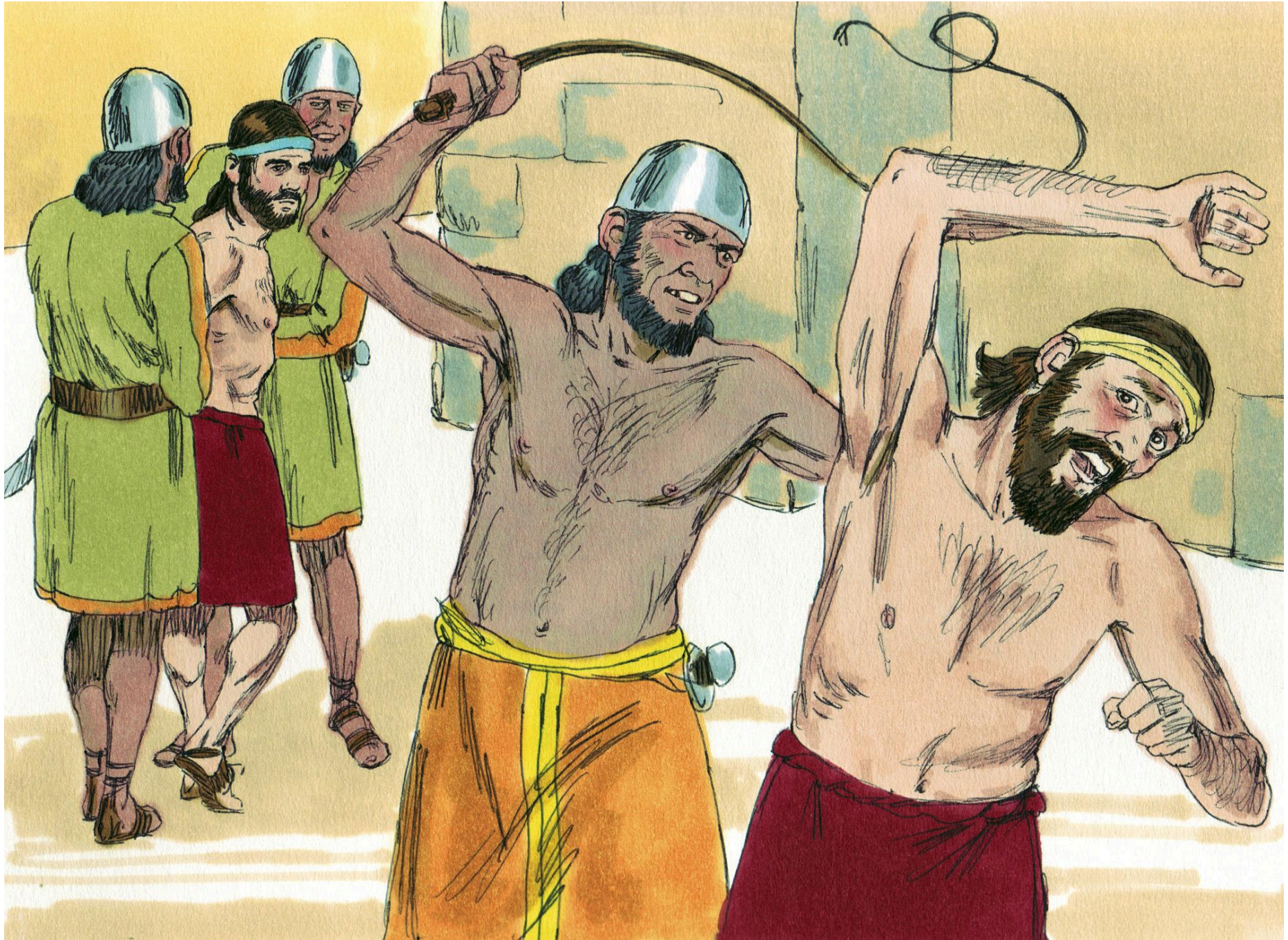
परकाशण:-

NLCI

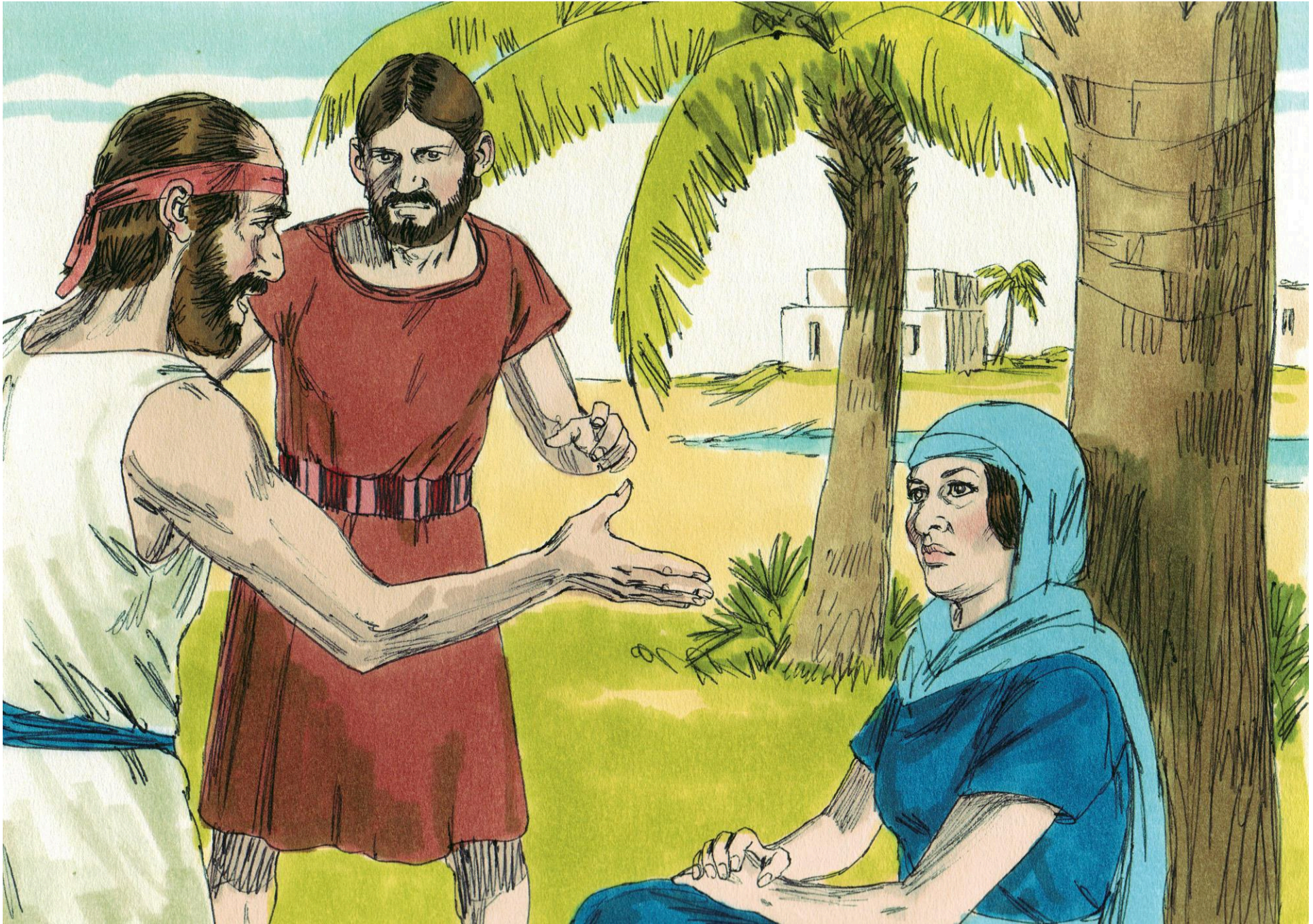
बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है जिसमें दबोरा ने इस्राएलियों की रक्षा कैसे की, उसके बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



यहोशु रै मौरणै बासियै इस्राइली लोग परमेश्वर कौइ
दूरै औइ गोए थै। औज़ि जेशौ तिउंके बौड़िया लागै
थौ, तिउं तेशौइ कियौ। पर तिउं सेजै काम कियौ,
जुणजै परमेश्वर रै नज़र दि बूरै थै। एज़ी बौजै कौइ
परमेश्वरेइ सै दुजी ज़ाति रौ राज़ा याबीन रि गुलामी
दि कियै।



राजा रै सौताणे रि बौजै कौइ इस्राइलिउं परमेश्वर
कौइ बिनती की, सेजै बौक्ते दि दबोरा नौऊं रि एक
छेउड़ थी, सै परमेश्वर रि ओर कौइ बुशै ला थी,
औज़ि इस्राइली लोगु रौ न्याय कौरै थी। सै खजूर रै
पेड़ै आऊगी बोशै थी औज़ि इस्राइली लोग तीं काइ
न्याय रखी आयैण थै।



तैबै दबोराइ एक दूस अबीनोअम रौ बेटा बाराक
औटाऔ, औज़ि तेसारी बोलौ, कि परमेश्वरेइ आज्ञा
देणी, तु ताबोर डान्डै माइं डेइयौ, दश औज़ार लोगु
कौट्टौ कौरियौ आपड़े साथै निउँ। तैबै परमेश्वर राज़ा
रौ सैनापति औज़ि बीड़ बाड़ेइ ताउँ काइ आपै,
औज़ि तेरै बश दि कौरै लौ।



पर बाराकेइ दबोरा आरि बोलौ, जौ तु मेरै साथै
आएली, तैबेइ डेऊ आउँ, नाइतै आउँ बि ना डेन्दौ।
तैबै दबोराइ तेसारी बोलौ, तु चिन्ता ना कर आउँ
आऊ तेरै साथै। पर एस यात्रा दि तेरी कुछ बौड़ाइ
ना औयै ली, केलाकि परमेश्वर राजा रौ सैनापतिएइ
एक छेउड़ि रै आदिन कौरै लौ।



तैबै दबोरा बाराक रै साथै डेइ, औज़ि बाराक रै
साथै दश औज़ार लोग तिउँरै पौछौणिकै आए,
औज़ि सै सारै ताबोर डान्डै माइं डै। जौ राज़ा रौ
सैनापति कै एशौ पौतौ लागौ, तैबै सेउ लोए रै नौ
शौ रथ औज़ि सारी सैना गिणियौ किशोन नौइ
काइ आऔ।



तैबै दबोराइ बाराक आरि बोलौ, कि एत्रा सेजौ
दूस, जेसदि परमेश्वर राज़ा रै सेनापतिएइ तेरै साथै
दि दै लौ। तैबै बाराक तिउं दश औज़ार लोगु रै साथै
उन्दै आओ, औज़ि परमेश्वरेइ राज़ा रौ सेनापति रै
साथै तेसरी सारी सेना डौराइ, पर राज़ा रौ सेनापति
रथ माइं कौइ उत्रियौ दौड़ियौइ बागौ।



औज़ि बाराकेइ सारी सैना खतम की। पर राज़ा रौ
सैनापति बागियौ याएल नौऊँ रि छेउड़ि काइ डैऔ।
औज़ि याएलेइ सेउ आपड़ै डेरे दि औटाऔ, तैबै
सैनापतिएइ तियारी बोलौ, मू चीश रौइ लागी मुखि
थोड़ौ पाणि दै।



तैबै याएलेइ सैनापति कै पिणे खि दूद देणौ, औज़ि
सेउ काम्बळै कौइ डौकी देणौ। औज़ि सैनापतिएइ
याएल आरि बोलौ, कि “तु डेरै रै दुवारै काइ खौड़ी
रौऊ, जौ कोइ ताउँकोइ पुछै लौ, कि एत्कै कोइ
माणूछ तै ना आओ, तै तेसारी बोलै कि एत्कै कोइ
बी ना आओ।” औज़ि तेतबासियै सेउ आराम कौइ
सुती रौ, केलाकि सेउ बौरी थौकौन्दौ थौ।



जौ सेउ सुती गोअ थौ, तैबै याएलेइ डेरे रि एक
खुँटी औज़ि एक ओथोड़ौ गिणौ, औज़ि आराम
कौइ तेसकाइ डेइयौ सै खुँटी तेसरै कनपटी दि एशी
ठोकी कि सै खुँटी पौरियै बाटी बारै आइयौ दौनी
माटै माइं डुबी तै सेउ पोरु मौरौ।



जौ बाराक सैनापति रौ पिछौ कौरदू बैरै याएल काइ
पौइचौ, तैबै याएलेइ तेसारी बोलौ, कि ज़ेस तु
लोड़दै रौ लागी तेस ताउँकौइ आउँ देखाऊ, तैबै
बाराक तिरै साथै डैऔ। औज़ि देखौ कि सैनापति
मौरौन्दौ थौ औज़ि तेसरी कनपटी दि खुंटी थी
ठोकियौन्दि।



एशेशौ परमेश्वरेइ सेजै दुसे राज़ा याबीन रि
इस्राइलिउं रै सामणै बेस्ती की, औज़ि इस्राइलिउं
सेउ राज़ा बि ज़ांगी देणौ। तैबै दबोराइ परमेश्वर रि
महिमा की औज़ि स्तुति गीत गाओ, तेतबासियै
इस्राएल देश दि चाळिश साल ज़ौउं शान्ति रौइ।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.